IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, July 2025
Impact Factor: 7.67

गोवा आन्दोलन में विन्ध्य प्रदेश के सत्याग्रहियों की महत्वपूर्ण भूमिका

डॉ. (श्रीमती) पूनम मिश्रा[1], उदित नारायण रवि[2]

[1]प्राध्यापक इतिहास विभाग, शास. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)

[2]शोधार्थी, शास. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)

शोध सारांश :–

हिन्दुस्तान की आजादी के बाद भी देश का एक टुकड़ा था, जो पुर्तगाल की गुलामी भोग रहा था। एक टुकड़ा था– गोवा। यह अपमान जनक कष्ट केवल गोवा–वासियों को ही नहीं अपितु देश के हजारों लाखों सेनानियों देश भक्तों और बुद्धिजीवियों को भी खलता था। खासकर के समाजवादी था इस बावत् ज्यादा ही चिंता करते थे। इस शोध आलेख में उपयुक्त बिन्दुओं को समाहित करने का एक अभिनव प्रयास है।

मुख्य शब्द :– गोवा, आन्दोलन, विन्ध्य, प्रदेश, सत्याग्रहियों, महत्वपूर्ण, भूमिका आदि।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-28384